

सम्पादकीय

सुप्रीम का सुप्रीम फैसला

लोकतात्त्विक और सूचीधनिक मुल्यों से जुड़े अभिव्यक्ति की आजादी के सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की नसीहत सुप्रीम है। अदालत ने कहा 75 साल हो गये आजादी के अब पुलिस को स्वतन्त्र अधिव्यक्ति की गवराइंस को समझाना चाहिए। काग्रेस संसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर युजरात पुलिस ने एक एफआईआर दर्ज की थी। इसे सुनकर पाकिस्तानी शासक की घटना याद आती है जब जोश मालीहाबादी ने एक मुश्खरे में अपनी शायरी पढ़ते हुये कहा था बनानम गुलिस्तान करने को बास एक ही उल्लंघन की विवाह विवाह विवाह है अन्नाम गुलिस्तान क्या होगा। उनके इस शायरी को लेकर पाकिस्तानी शासकों ने उनकी बहुत दुर्गति की थी। युजरात हाईकोर्ट ने इस मामले में जांच की कारवाई की पुष्टी की थी। पुलिस की कारवाई को सही बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले के सन्दर्भ में कहा एफआईआर दर्ज करने से पहले एफआईआर दर्ज करने वाले अधिकारियों और दर्ज करने वाले अधिकारियों को यह कविता पढ़नी चाहिए। कविता में इक्की और इन्साफ की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है। पुलिस के मामले में आम धारणा हदयहीन होने की है। हालांकि लखनऊ के एक पुलिस अधिकारी बहुत अच्छे कवि थे नम नहीं यह आ रहा है। उनका व्योहार पुलिस अवधारणा के विप्रीत कामी मानी थी और न्यायपूर्ण होता था। अपनी टिप्पणी में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्टता से कहा है न तो अश्लीलता के लिये जगह छोड़ी चाहिए और न तो आजादी की रूप में आना चाहिए। इलावादियों को पाठावान की आजादी देते हुये भी चेताया कि नैतिकता और अश्लीलता की को चेताया कि नैतिकता और अश्लीलता को रेखा का लालची की विशिष्टता न करें। हर पाठावान के लिये यह वार्षीय स्कॉल होना चाहिए। कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मंचों के द्वारा प्रोग्रामों पर चिन्ता जारी करना अश्लीलता के लिये कोई ऊन्नाशन नहीं छोड़ी जानी चाहिए पर ऐसा करते हुये यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अभिव्यक्ति की आजादी पर और जरूरी पारिवर्तनों का रूप ले ले। दिवाने में आ रहा है सोशल मीडिया बहुत गैर जिम्मेदाराना भूमिका निभा रहा है अश्लीलता की सीमा लाख है तो दोनों की सीमा लाख रहा है। वही मामले दन्हित भी कर रहा है। हर तफ न्यायपूर्ण नैतिक सन्तुलन की जरूरत है। प्रशासन के अति उत्साह से और सोशल मीडिया के गैर जिम्मेदाराना उत्साह से आम नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकारों की उन्नति हो रही है। कोर्ट ने ध्यान दिलाया है नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उन्नति उन्हीं नहीं होना चाहिए। इसका ध्यान दबत जाना चाहिए। भारत प्रबुद्ध और बहुत बड़ा प्रजातात्त्विक देश है जहाँ आम नागरिक प्रजातात्त्विक अधिकार और कर्तव्य निभाने में परिवर्तन है। कृष्ण अपवाह तो हर जगह होते हैं। दुर्मिल भारी लोकनां को इज्जत देते हुये मार्गदर्शक के रूप में देखती है। उमीद है सुप्रीम कोर्ट के मार्ग धरने आयें।

देश की जनता क्रिकेट से इतना लगाव रखती है कि होली के मुहावने पर न्यूजीलैंड के साथ घैमियनशिप के फाइनल मैच के बाद प्रशंसकों की दीवानी का अनुग्राह इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश के हर गाँव-शहर हर कॉलोनी में इनते पाटाखे छोड़े जा रहे थे कि मानो दिवाली आ गई हो। श्रेयश अस्यट ने लड़खड़ाती पारी को संगालाते हुए देश के प्रशंसकों को होली का तोहफा दे दिया।

क्रिकेट घैमियनों के रंग में रंग गया रंगों का त्यौहार

विश्व के सबसे बड़े लोकतात्त्विक देश भारत में जहाँ एक ओर अपनी-अभी सदी का महानुभव ये विश्व की इतिहास स्थापित कर सामान हुआ है। वहीं देश की जनता क्रिकेट से इतना लगाव रखती है कि होली के मुहावने पर न्यूजीलैंड के साथ घैमियनशिप के फाइनल मैच के बाद अंतिम चौथावें तीव्रता के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतात्त्विक देश भारत में जहाँ एक ओर अपनी-अभी सदी का महानुभव ये विश्व की इतिहास स्थापित कर सामान हुआ है। वहीं देश की जनता क्रिकेट से इतना लगाव रखती है कि होली के मुहावने पर न्यूजीलैंड के साथ घैमियनशिप के फाइनल मैच के बाद अंतिम चौथावें तीव्रता के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिकता और दर्जनों के बाद विश्व के बाद प्रशंसकों की बात है न कि नसरत हिंसा और दिस की बात है।

रहा है। घैमियन देश के हर क्षेत्र में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है तथा विश्व की इतिहास के नैतिक

विवेचनाओं को समयबद्ध ठंग से निरतारित करें : विनोद कुमार



अवधनामा संवाददाता

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक कन्नौज विनोद कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय विश्व सभागार कक्ष में सैनिक सम्पर्क व अपाराध गोंगों की गई। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त थाना प्रभारी/थाना प्रभारी एवं जनपद के पुलिसकर्मियों ने प्रतिभाग किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिसे में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए एवं नियन्त्रण खनना था।

मीटिंग में विभिन्न प्रकार के अपराधों पर चर्चा की गई। जिसमें विशेष रूप से गंभीर अपराधों की विवेचना, लवित मामलों का शीघ्र नियसारण, गैंगस्टर एक्ट, एन्डीपीएस एवं एक्ट, माहिती अपराधों, एवं बच्चों के प्रति अपराधों पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने सैनिक सम्मेलन में आगामी दैरान पुलिसकर्मियों ने आगामी दैरान अपाराध गोंगों की गई। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त थाना प्रभारी/थाना प्रभारी एवं जनपद के पुलिसकर्मियों ने प्रतिभाग किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिसे में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए एवं नियन्त्रण खनना था।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण



अवधनामा ब्लूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने कहा कि यदि कोई जनप्रतिनिधि संवेदनशील हो और वह समर्पित कर सकता है। इसके लिए उन्हें अपने व्यक्ति से ऊपर उत्तर प्रदेश के लिए समर्पित होना होता है, तभी परिणाम आते हैं। जब कोई विधायक धरातल पर उत्तरकर जनता-जननदंग की सेवा करे, तो इससे लोकतंत्र भी भज्बूत होता है। जब लोकतंत्र होगा, तो आपने जनता की न्याय भी जरूर मिलेगा। 03 वर्ष पहले 10 मार्च, 2022 को सरोजनी नगर की जनता ने डॉ. राजेश्वर सिंह को अपना विधायक चुना था। डॉ. राजेश्वर सिंह ने सरोजनी नगर विधान सभा को विकास की योजनाओं की संरक्षण देकर विकास के पथ पर अग्रसर किया है।

- भगवान परशुराम जी एवं स्व० श्री कल्याण सिंह जी की प्रतिमा का किया अनावरण
- लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर स्वालम्बन का जीवनयापन कर सकें, इसके लिए केन्द्र और प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में लगातार कार्रवाई कर रही - मुख्यमंत्री
- यदि कोई जनप्रतिनिधि संवेदनशील हो और वह समर्पित भाव से कार्रवाई कर, तो वह बहुत दूर कर सकता, डॉ. राजेश्वर सिंह ने सरोजनी नगर विधान सभा को विकास की योजनाओं की संरक्षण देकर विकास के पथ पर अग्रसर किया
- आगामी 25 मार्च को हमारी सरकार के 08 वर्ष पूर्ण होने पर प्रत्येक जनपद में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी
- अगले 02 वर्षों में प्रदेश से गरीबी को पूरी तरह समाप्त करने की दृष्टि से इस वर्ष के बजट में एक योजना की घोषणा की गई

किया है। मुख्यमंत्री यहां डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सभागार में सरोजनी नगर आधार दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने एयर जिम, सरोजनी नगर तहसील एवं सरोजनी नगर भुद्धारम

माध्यम से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 10 तारा शक्ति केंद्रों तथा रण बहातुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं सशक्तिकरण केन्द्र, 05 पार्कों में ओपन एयर जिम, सरोजनी नगर तहसील एवं सरोजनी नगर भुद्धारम

में कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। उन्होंने 25 मन्दिरों के जीर्णोद्धार, 05 अर. डल्लू.ए. में पुस्तकालय की स्थापना तथा 15 कौलोंगों विद्यालयों में स्मार्ट क्लास पैनल की स्थापना के कारण शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने मेघांशु छात्र-छात्राओं को विकास की योजनाओं की संरक्षण देकर विकास के पथ पर अग्रसर किया।

■ भगवान परशुराम जी एवं स्व० श्री कल्याण सिंह जी की प्रतिमा का किया अनावरण

■ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर स्वालम्बन का जीवनयापन कर सकें, इसके लिए केन्द्र और प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में लगातार कार्रवाई कर रही - मुख्यमंत्री

■ यदि कोई जनप्रतिनिधि संवेदनशील हो और वह समर्पित भाव से कार्रवाई कर, तो वह बहुत दूर कर सकता, डॉ. राजेश्वर सिंह ने सरोजनी नगर विधान सभा को विकास की योजनाओं की संरक्षण देकर विकास के पथ पर अग्रसर किया।

■ आगामी 25 मार्च को हमारी सरकार के 08 वर्ष पूर्ण होने पर प्रत्येक जनपद में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी

■ अगले 02 वर्षों में प्रदेश से गरीबी को पूरी तरह समाप्त करने की दृष्टि से इस वर्ष के बजट में एक योजना की घोषणा की गई

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक करने के दिये निर्देश

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचनों के त्रैमासी विधेय एवं विधायिका विधान सभा के समस्त निर्वाचन अधिकारियों को विधानसभा निर्वाचन आयोग के निरस्तर पुरुषाक्षण के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त राज्यीय एवं राजनीतिक दलों के साथ बैठक किये जाने के निर्देश दिये गए हैं। जब कि बैठक में मान्यता प्राप्त राज्यीय एवं राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचक नामांकितयों एवं वर्तमान में गतिमान निरन्तर पुरुषाक्षण से सम्बन्धित उत्तर एवं विद्युतों पर विचार व्यक्त करने के निर्देश दिये गए हैं।

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन की मेज़बानी करेगा यूपी : महाना



- विधानसभा अध्यक्ष ने बताया मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने दी श्रीकृष्ण
- उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के युवा विधायिकों का भी लखनऊ में होगा सम्मेलन

अवधनामा ब्लूरो

लखनऊ। इस बार अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन की मेज़बानी उत्तर प्रदेश करेगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश काजी ने बताया कि इस आयोजन के लिए मान्यता प्राप्त राज्यीय एवं राजनीतिक दलों के साथ बैठक किये जाने के निर्देश दिये गए हैं। जब कि बैठक में मान्यता प्राप्त राज्यीय एवं राजनीतिक दलों के निर्वाचक नामांकितयों एवं वर्तमान में गतिमान निरन्तर पुरुषाक्षण से सम्बन्धित उत्तर एवं विद्युतों पर विचार व्यक्त करने के निर्देश दिये गए हैं।

लखनऊ। इस बार अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन की मेज़बानी उत्तर प्रदेश करेगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश काजी ने बताया कि इस आयोजन के लिए मान्यता प्राप्त राज्यीय एवं राजनीतिक दलों के साथ बैठक किये जाएं। इस वर्ष जनवरी में 85वें पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का आयोजन पटना में किया गया था।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भवन डालीबांग में चल रही लघु खाती एवं ग्रामीणों पर विचार किया जाएगा।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खाती तथा ग्रामीणों द्वारा दी गयी अवसर पर 5 मार्च से खाती भ